प्रश्न बैंक

बी.ए. (विशेष) हिन्दी, षष्ठम सेमेस्टर

प्रश्न 1- निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए

क- लोकनाट्य का स्वरूप बताते हुए लोकनाट्यों की सामान्य विशेषताएँ लिखिए।

ख- लोकनाट्यों में गीत - संगीत योजना पर विचार कीजिए।

ग- लोक नाट्य उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

घ- भिखारी ठाकुर कृत 'बिदेसिया' नाट्य की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

ङ- 'बिदेसिया' नाट्य की अंतर्वस्तु और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

च- बिदेसिया नाट्य की चरित्र योजना का विश्लेषण कीजिए।

छ- बिदेसिया नाट्य की अभिनेयता पर विचार कीजिए।

ज- पं० लखमी चंद कृत 'सत्यवान -सावित्री' सांग का प्रतिपाद्य लिखिए।

झ- सत्यवान -सावित्री सांग समीक्षा कीजिए।

ञ- सिद्धेस्वर सेन कृत 'राजयोगी भरथरी' माच के कथानक पर विचार कीजिए।

ट- राजयोगी भरथरी का चरित्र चित्रण कीजिए।

ठ- सुलताना डाकू नाट्य के कथानक पर प्रकाश डालिए।

ड- सुलताना डाकू को रॉबिन हुड कहा जाता है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2- निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

क- हे राम, जोगिनिया बनि के हम,
करब मालिक के उदेस। हे रा.....
तुरि के गला के हार, देहब अगिया में जार
छोड़ि के परइलन परदेस। हे राम.....
टिकुली सेनूर तजि पिउ-पिउ भजि-भजि,
छूरा से छिलाइ कर केस। हे राम.....
गहना सोना-चानी के, लोढ़ा से खानि-खानि के
गहना भी प्यारी सुंदरी के पास।
यही सोचे बनबि अनभे। हे राम.....
क़हत 'भिखारी' नाई, अंग में भभूत लगाई,
तुमा लेके घूमब हरमेस। हे राम.....

ख- तनै सावित्री का भी कुछ ध्यान सैहो सुण साजन मेरे।
या हो री सै व्याहवण जोग॥
मनै तै एक जणी थी जेठी, बात कहूँ सूं बणे ढेठी।
तनै क्यूँ रीत जगत की मेटी, जिसके बेटी घरां जवान सै।
न्यूं कहें बड़े बड़ेरे उडे माणस मरे केसा शोग॥
बात मैं ना कहती बढ़-चढ़ कै, सजन तू डूब गया गुण पढ़ कै।
जगत मैं कन्यादान तै बढ़ कै, और नहीं कोए दान सै,
दे बेटी नै फेरे, ना तै हंसेंगे जगत के लोग॥

ग- **तोहरे कारनवाँ परानवाँ दुखित बाटे,**
दया क के दरसन दे दऽ हो बलमुआँ।
काइ कइलीं चूकवा कि छोड़लऽ मुलुकवा तूँ,
कहलऽ ना दिलवा के हलिया बलमुआँ।
साँवली सुरतिया सालत१ बाटे छतिया में,
एको नाही पतिया भेजवलऽ बलमुआँ।
कवना नगरिया डगरिया में पिया मोर,
करत होइबऽ घर-बास हो बलमुआँ।
घर में अकेले बानी, ईसवर जी राखऽ पानी,
चढ़ल जवानी माटी मिलता बलमुआँ।
बिरह के कूपवा में, जोगिनी का रूपवा में,
तोहरे के अलख जगाइब हो बलमुआँ।
मदन सतावत बाटे, छतिया फाटत बाटे,
अनवाँ जहर लेखा लागत बा बलमुआँ।

प्रश्न 3- निम्न पर टिप्पणी लिखिए।

क- नौटंकी
ख- बिदेसिया
ग- सांग
घ- माच
ङ- रामलीला
च- रासलीला
छ- ख़्याल